


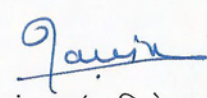
परियोजना का नाम:- उत्तराखण्ड राज्य के जनपद रुद्रप्रयाग में राष्ट्रीय राजमार्ग-07 (पुराना एन0 एच0-58) के कि0मी0 399.000 से कि0मी0 460.000 में लैंडस्लाइड का उपचार सहित सड़क का चौड़ीकरण एवं सृढढीकरण हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड का वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

प्रारूप-11

वन भूमि की मांग का पूर्ण औचित्य आख्या का प्रमाण पत्र

उत्तराखण्ड राज्य के जनपद चमोली में राष्ट्रीय राजमार्ग-07 (पुराना एन0 एच0-58) पर आने वाले ट्रैफिक में वाहनों की संख्या अत्यधिक होने व सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण सड़क पर कई घंटे वाहन जाम में खड़े रहते हैं जिससे जनमानस को अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है, तथा राष्ट्र को आर्थिक क्षति पहुंचती है। अतः सड़क की चौड़ीकरण एवं सृढढीकरण का कार्य होना आवश्यक है। अतः वन भूमि की मांग का पूर्ण औचित्य है। इस के अलावा कोई विकल्प नहीं है।


प्रभागीय वनाधिकारी
बद्रीनाथ वन प्रभाग
प्रभागीय वनाधिकारी
गोपेश्वर
बद्रीनाथ वन प्रभाग, गोपेश्वर

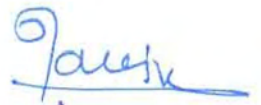

महाप्रबंधक (परियोजना)
राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम
लिमिटेड, देहरादून उत्तराखण्ड
Navin Kumar
General Manager (P)
NHIDCL B.O. Dehradun

Justification for Locating Project in Forest Land

NH-07 (Old NH-58) Rishikesh to Joshimath/Mana Road is an existing road passing through inhospitable hilly terrain. The road is important from religious, tourism, and defence point of view. This road was constructed and maintained by the Border Road Organization since inception. Keeping in view the fact that lakhs of pilgrims, tourists, defence personnels and the common people of the Pauri, Chamoli, Rudraprayag and Tehri district travel in this road every year, Ministry of

Road Transport and Highways (MoRT&H) has taken a decision to undertake widening, geometric improvement and strengthening of the road in question to ensure safely of the commuters.

Since, the widening, geometric improvement and strengthening work only has been proposed along the alignment of the existing road and the existing road is passing through forest land, hence the forest land can't be avoided and there is no other feasible alternative which involves less forest land.



(Navin Kumar)

General Manager (P)